केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे
हिंदी दिवस समारोह-2021 का आयोजन

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, खड़कवासला, पुणे (भारत सरकार, जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग) में 14 सितम्बर, 2021 को हिन्दी दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. गोरख निवृत्ती थोरात, हिन्दी एसोसिएट प्रोफेसर, सर परशुराम भाऊ महाविद्यालय, पुणे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की उद्घाटन मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। श्री राजेन्द्र अस्वले, मुख्य प्रशासन अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया और सभी का स्वागत किया। साथ ही वर्तमान महामारी परिदृश्य में सरकारी दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री अखिलेश कुमार अग्रवाल, निदेशक महोदय ने मुख्य अतिथि, डॉ. गोरख निवृत्ती थोरात, का पुष्प, शाल और श्रीफल देकर सम्मान किया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा हिन्दी गृह पत्रिका 'जलवाणी' के अट्ठाईसवें पुष्प एवं 'जल काव्यांजलि' पत्रिका के तृतीय पुष्प का विमोचन किया गया। श्री दिनेश कुमार अवस्थी, प्रभारी सहायक निदेशक राजभाषा, ने अनुसंधान शाला की हिन्दी से संबंधित वार्षिक गतिविधियों का ब्यौरा दिया।

अनुसंधान शाला के कर्मचारी द्वारा स्वागत गीत तथा पुणे में स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों से आमंत्रित कवि तथा कार्यालय के कवियों द्वारा काव्य पाठ का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगितायों (निबंध लेखन, वार्तालाप, पोस्टर, प्रश्नमंच, शुद्ध लेखन, काव्य पाठ, टंकण, तकनीकी शब्दों का हिन्दी अनुवाद, तकनीकी कार्य में हिन्दी का प्रयोग और हिंदी में मूल रूप से टिप्पण आलेखन योजना आदि) में पुरस्कार प्राप्त अधिकारियों/कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। भारत सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों के अनुसार हिन्दी दिवस समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने राजभाषा हिन्दी का कार्यालयीन कार्यों में अधिकाअधिक प्रयोग करने की प्रतिज्ञा ली।

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला के निदेशक, श्री अखिलेश कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में बताया कि हिन्दी हमारे देश की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। इसी कारण हिन्दी को जन-जन की भाषा माना गया और आजादी के पश्चात इसे राजभाषा का दर्जा मिला। हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय द्वारा समय समय पर नई नई योजनाएं जारी की जाती हैं, जिनका सरकारी कर्मचारियों को अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए और सरकार की राजभाषा नीति के प्रचार प्रसार में योगदान देना चाहिए।

मुख्य अतिथि डॉ. गोरख निवृत्ती थोरात ने अपने संबोधन में बताय कि हिन्दी भाषा अत्यंत व्यापक एवं समृद्ध भाषा है, जिसकी छाप हमारे हिन्दी साहित्यों में देखी जा सकती है। जो बात हम किसी से सीधे नहीं कह सकते, उसे कविता एवं साहित्य के माध्यम से व्यक्त किया जा सकता है। हमें हिन्दी को केवल राष्ट्रभाषा ही नहीं, बल्कि विश्व भाषा बनाने का प्रयास करना चाहिए।

श्री आनन्द चव्हाण, श्री संजय नाथ झा एवं श्री विनित कुमार ने मंच संचालन किया। श्रीमती उमा गंगाधरन ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और राष्ट्रगान के पश्चात समारोह संपन्न हुआ।

---------000--------

हिन्दी दिवस समारोह से संबंधित समाचार पत्रों में प्रकाशित प्रेस रिपोर्ट की प्रति

पिछले 50 साल से लगातार प्रकाशित पुणे का एकमात्र हिंदी दैनिक
आज का आनंद
Pune | 15-09-2021 | Page- 9
aajkaanand.epapers.in

दैनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें

हिंदी दिवस पर आयोजित समारोह में CWPRS के निदेशक अखिलेश कुमार अग्रवाल ने कहा

■ अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी में काम करने की दिलाई गई शपथ

सीडब्ल्यूपीआरएस में आयोजित हिंदी दिवस के अवसर पर 'जलवाणी' स्मरणिका का विमोचन डॉ. गोरख निवृत्ति थोरात और अखिलेश कुमार अग्रवाल के हाथों किया गया.

खड़कवासला, 14 सितंबर (आ.प्र.)

खड़कवासला में स्थित केंद्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला (सीडब्लूपीआरएस) में 14 सितंबर को हिंदी दिवस समारोह मनाया गया. इस अवसर पर एसपी कॉलेज के हिंदी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोरख निवृत्ति थोरात मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. मुख्य अतिथि के हाथों 'जलवाणी' और 'जल काव्यांजलि' पत्रिका का विमोजन किया गया.

सीडब्ल्यूपीआरएस के निदेशक अखिलेश कुमार अग्रवाल, प्रभारी सहायक निदेशक दिनेश कुमार अवस्थी, मुख्य प्रशासन अधिकारी राजेंद्र अस्वले और सीडब्ल्यूपीआरएस के कर्मचारी भी उपस्थित थे. हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त अधिकारियों और कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित किया गया. इस अवसर पर उपस्थित कर्मचारियों और अधिकारियों ने राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने की प्रतिज्ञा ली. अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि, हिंदी हमारे देश की सबसे अधिक बोली और समझी जानेवाली भाषा है. इसी कारण हिंदी को जन-जन की भाषा माना गया और आजादी के पश्चात इसे राजभाषा का दर्जा मिला. हिंदी को बढ़ावा देने के लिए, मंत्रालय द्वारा समय समय पर नई नई योजनाएं जारी की जाती हैं. सरकार की राजभाषा नीति के प्रचार-प्रसार में योगदान देना चाहिए. मुख्य अतिथि डॉ. गोरख निवृत्ति थोरात ने बताया कि, हिंदी भाषा अत्यंत व्यापक एवं समृद्ध भाषा है. जिसकी छाप हमारी हिंदी साहित्य में देखी जाती है. जो बात हम किसी से भी सीधे नहीं कह सकते, उसे कविता एवं साहित्य के माध्यम से व्यक्त किया जा सकता है. हमें हिंदी को केवल राष्ट्रभाषा ही नहीं, बल्कि विश्वभाषा बनाने का प्रयास करना चाहिए. कार्यक्रम में आनंद चव्हाण, संजयनाथ झा, विनीत कुमार ने मंच संचालन किया. उमा गंगाधरन ने धन्यवाद प्रकट किया.

हिन्दी दिवस 2021 की झलकियाँ

हिन्दी दिवस -2021 के अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. गोरख निवृत्ती थोरात का स्वागत करते हुए श्री अखिलेश कुमार अग्रवाल, निदेशक	हिन्दी दिवस -2021 के अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. गोरख निवृत्ती थोरात दीप प्रज्जलित करते हुए
हिन्दी दिवस -2021 के अवसर स्वागत गीत का गायन करते हुए अनुसंधान शाला की कर्मचारी	हिन्दी दिवस-2021 के अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. गोरख निवृत्ती थोरात अनुसंधान शाला के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए
हिन्दी दिवस -2021 के अवसर पर राजभाषा हिन्दी में कामकाज करने की शपथ लेते हुए अनुसंधान शाला के अधिकारी/कर्मचारी	हिन्दी दिवस -2021 के अवसर आयोजित काव्य पठन में कविता प्रस्तुत करते हुए आमंत्रित कवि

हिन्दी दिवस -2021 के अवसर पर मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा राजभाषा प्रोत्साहन शील्ड पुरस्कार लेते हुए अधिकारी/कर्मचारी	हिन्दी दिवस -2021 के अवसर पर निदेशक, श्री अखिलेश कुमार अग्रवाल के कर कमलों द्वारा प्रमाणपत्र लेते हुए डॉ. सरबजीत सिंह, वैज्ञानिक "बी"
हिन्दी दिवस -2021 के अवसर पर मुख्य प्रशासन अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी, श्री राजेन्द्र अस्वले के कर कमलों द्वारा प्रमाणपत्र लेते हुए डॉ. रोनाल्ड अन्द्रादे, वैज्ञानिक 'सी'	हिन्दी पखवाड़ा के दौरान हिन्दी शुद्ध लेखन करते हुए एक दृश्य
हिन्दी पखवाड़ा के दौरान तकनीकी शब्दों का हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता का एक दृश्य	कार्यक्रम के अंत में श्रीमती उमा गंगाधरन, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी धन्यवाद प्रस्तुत करते हुए

-----000----